BPSM-163 तुलनात्मक शासन और राजनीति (COMPARATIVE GOVERNMENT AND POLITICS)

(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य / TUTOR MARKED ASSIGNMENTS)

सत्रीय कार्य कोड (Assignment Code): BPSM-163/ASST/TMA/2026-2027

अंक (Marks): 100

तीनों सत्रीय कार्यों से सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए और उन्हें एक साथ जमा कीजिए।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण में प्रयुक्त प्रमुख पद्धतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। प्रयोगात्मक (Experimental), केस अध्ययन (Case Study), सांख्यिकीय (Statistical), केन्द्रित तुलना (Focused Comparison) और ऐतिहासिक (Historical) पद्धतियों की शक्तियों और सीमाओं पर चर्चा कीजिए।

2. निर्वाचन प्रणालियों (Electoral Systems) और दलीय प्रणालियों (Party Systems) के बीच संबंधों की व्याख्या कीजिए। बहुमतवादी (Majoritarian) और आनुपातिक प्रतिनिधित्व (Proportional Representation) प्रणालियाँ राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सरकार के गठन को किस प्रकार प्रभावित करती हैं?

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3. विविधता को समायोजित करने के लिए प्रायः संघीय व्यवस्थाएँ (Federal Systems) क्यों अपनाई जाती हैं? शक्तियों के वितरण तथा सफल संघ के लिए आवश्यक परिस्थितियों के संदर्भ में संघीय और एकात्मक व्यवस्थाओं (Unitary Systems) की तुलना कीजिए।

4. राजनीति में सैन्य हस्तक्षेप (Military Intervention) को किन कारकों के माध्यम से समझा जा सकता है? सैन्य शासन (Military Regimes) की प्रमुख विशेषताओं और परिणामों पर चर्चा कीजिए।

5. विकसित और विकासशील देशों में राज्य की भूमिका एवं प्रकृति की तुलना कीजिए।

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6. तुलनात्मक राजनीति (Comparative Politics) और तुलनात्मक शासन (Comparative Government) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. अधिनायकवादी शासन (Authoritarian Regime) क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताएँ उल्लेखित कीजिए।

8. दबाव समूह (Pressure Groups), राजनीतिक दलों (Political Parties) से किस प्रकार भिन्न होते हैं?

9. नागरिक समाज (Civil Society) को एक सार्वजनिक क्षेत्र (Public Sphere) के रूप कैसे समझा जा सकता है?

10. वैश्वीकरण (Globalisation) राज्य की संप्रभुता (State Sovereignty) को कैसे प्रभावित करता है? कोई दो तरीके बताइए।

1. तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण में प्रयुक्त प्रमुख पद्धतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। प्रयोगात्मक (Experimental), केस अध्ययन (Case Study), सांख्यिकीय (Statistical), केन्द्रित तुलना (Focused Comparison) और ऐतिहासिक (Historical) पद्धतियों की शक्तियों और सीमाओं पर चर्चा कीजिए।

उत्तर:

तुलनात्मक राजनीति में विभिन्न देशों की संस्थाओं, प्रक्रियाओं और राजनीतिक व्यवहार की तुलना करके समानताओं, भिन्नताओं तथा उनके कारणों को समझा जाता है। केवल यह बताना कि दो देशों में संसद या चुनाव हैं, पर्याप्त नहीं है; यह भी स्पष्ट करना होता है कि वे अलग परिस्थितियों में अलग परिणाम क्यों देते हैं। इसलिए अनुसंधान-प्रश्न, उपलब्ध साक्ष्य और कारणात्मक निष्कर्ष की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग पद्धतियाँ अपनाई जाती हैं। इनमें प्रयोगात्मक, केस अध्ययन, सांख्यिकीय, केन्द्रित तुलना और ऐतिहासिक पद्धतियाँ विशेष महत्त्व रखती हैं।

प्रयोगात्मक पद्धति

प्रयोगात्मक पद्धति में शोधकर्ता किसी एक कारक में नियंत्रित परिवर्तन करके उसके प्रभाव को जानने का प्रयास करता है। उदाहरण के लिए, मतदाताओं के कुछ समूहों को अलग-अलग प्रकार की चुनावी जानकारी देकर मतदान-संबंधी दृष्टिकोण की तुलना की जा सकती है। यादृच्छिक समूह-विभाजन से अन्य कारकों का प्रभाव अपेक्षाकृत कम हो सकता है और कारण-कार्य संबंध का परीक्षण मजबूत बनता है। प्रयोगशाला तथा क्षेत्र-प्रयोग, दोनों का उपयोग राजनीतिक व्यवहार के अध्ययन में होता है।

इसकी सबसे बड़ी शक्ति आंतरिक वैधता है: यदि समूह तुलनीय हों और केवल एक महत्त्वपूर्ण कारक अलग हो, तो परिणाम का कारण अधिक विश्वास के साथ बताया जा सकता है। लेकिन वास्तविक राजनीति को प्रयोगशाला में पूरी तरह दोहराना कठिन है। युद्ध, क्रांति या संविधान-